भाग 1: बाल विकास एवं अधिगम (Core CDP)

अध्याय 1: बाल विकास, अवस्थाएँ एवं सिद्धान्त

- **अर्थ:** बाल विकास केवल शारीरिक बढ़ना नहीं है; यह गर्भधारण से लेकर जीवनपर्यंत (Womb to Tomb) चलने वाला एक **गुणात्मक (Qualitative)** और **मात्रात्मक (Quantitative)** प्रगतिशील परिवर्तन है।
- **विकास के मुख्य आयाम (Domains):** शारीरिक (Physical), संज्ञानात्मक (Cognitive), सामाजिक-संवेगात्मक (Socio-emotional)। ये सभी आपस में जुड़े हैं।

विकास के प्रमुख सिद्धान्त

- **निरंतरता का सिद्धान्त:** विकास कभी न रुकने वाली प्रक्रिया है।
- **दिशा का सिद्धान्त (Principle of Direction):**
  1. *मस्तकाधोमुखी (Cephalocaudal):* विकास सिर से पैर की ओर होता है।
  2. *समीप-दूराभिमुख (Proximodistal):* विकास केंद्र से बाहर (शरीर के मध्य से उंगलियों की ओर) होता है।
- **सामान्य से विशिष्ट (General to Specific):** बच्चा पहले पूरे हाथ को हिलाता है, फिर उंगलियों से पेन पकड़ना सीखता है।

विकास की अवस्थाएँ (CTET Primary Level विशेष)

अवस्था	आयु वर्ग	मुख्य विशेषता (Exam Point)
प्रसवपूर्व (Prenatal)	गर्भधारण से जन्म	तीव्र शारीरिक विकास
शैशवावस्था (Infancy)	0 - 2 वर्ष	इंद्रियों द्वारा अधिगम, मूल प्रवृत्यात्मक व्यवहार
प्रारंभिक बाल्यावस्था	2 - 6 वर्ष	**भाषा विकास का सबसे संवेदनशील समय**, खिलौनों की आयु (Toy Age), अनुकरण
उत्तर बाल्यावस्था	6 - 11 वर्ष	स्कूली आयु, गंदी अवस्था (Gang Age), तार्किक चिंतन की शुरुआत (मूर्त वस्तुओं के लिए)

📌 **CTET Important Facts Box**

- **ग्रोथ (वृद्धि) बनाम विकास:** वृद्धि केवल मात्रात्मक (शारीरिक वजन/लंबाई) है और एक समय पर रुक जाती है, जबकि विकास गुणात्मक है और जीवनभर चलता है
- **प्लास्टिसिटी (Plasticity):** बच्चे का विकास लचीला होता है, सही वातावरण मिलने पर इसमें बदलाव संभव है।

www.examattention.com

- **Memory Trick (दिशा के लिए): 'सिर'** से शुरू = **मस्तक**धोमुखी। **'केंद्र'** से बाहर = **समीप** (पास से दूर)।

अध्याय 2: वंशानुक्रम, वातावरण एवं अधिगम (Learning)

- **मूल मंत्र:** विकास (Development) = वंशानुक्रम (Heredity)×वातावरण (Environment)
- **अधिगम (Learning):** अभ्यास और अनुभव के कारण व्यवहार में आने वाला **अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन (Relatively Permanent Change)**।

थॉर्नडाइक, पैवलव, स्किनर एवं कोहलर के नियम

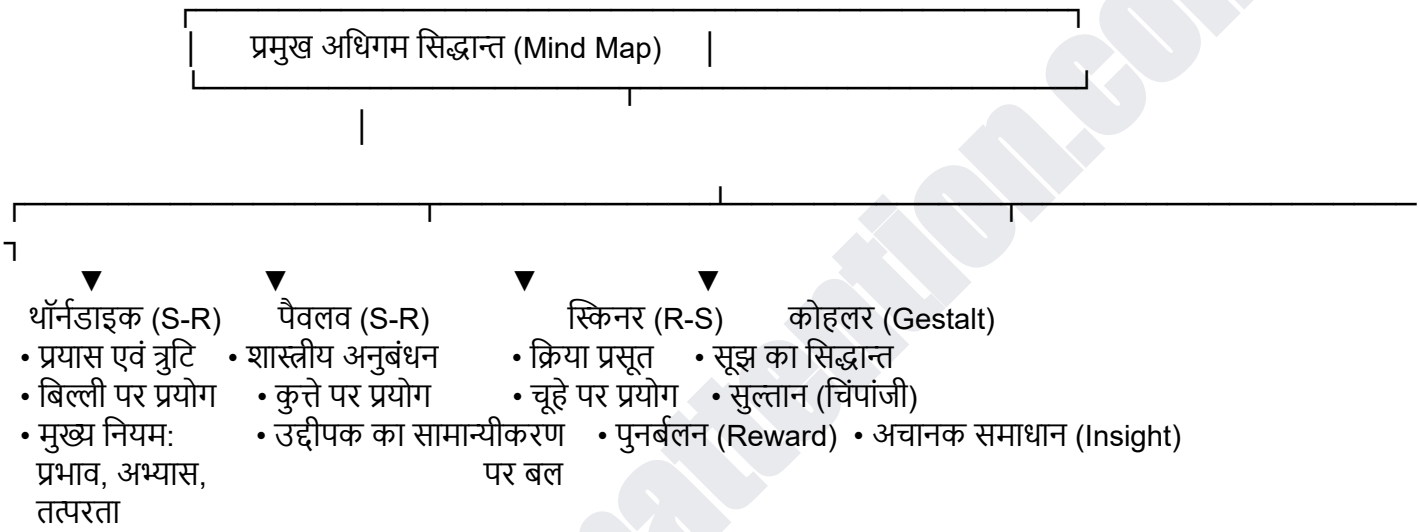

- **पियाजे (Piaget):** बच्चा एक "नन्हा वैज्ञानिक" है जो दुनिया की समझ खुद बनाता है। विकास की 4 अवस्थाएँ दीं: *संवेदी-गामक (0-2), पूर्व-संक्रियात्मक (2-7 - इसमें जीववाद/अहंकेंद्रित सोच होती है), मूर्त संक्रियात्मक (7-11 - संरक्षण और तर्क), औपचारिक संक्रियात्मक (11+ - अमूर्त चिंतन)*।
- **वाइगोत्स्की (Vygotsky):** विकास का आधार **समाज (Social), संस्कृति (Culture) और भाषा (Language)** है। इन्होंने **ZPD (समीपस्थ विकास का क्षेत्र)** और **Scaffolding (पाड़/ढांचा/अस्थायी मदद)** का संप्रत्यय दिया।

अधिगम वक्र एवं पठार (Wavy Lines & Plateaus)

- **अधिगम का पठार:** जब सीखने की गति रुक जाती है (थकान, अरुचि या बीमारी के कारण)। यह प्रगति शून्य होने को दर्शाता है, अधिगम का अंत नहीं।

अध्याय 1 व 2 के महत्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. **वाइगोत्स्की के अनुसार, एक शिक्षिका बच्चों को सीखने में सहायता के लिए 'पाड़' (Scaffolding) प्रदान करती है। इसका अर्थ है:**
   (अ) इनाम देना
   (ब) सजा देना
   (स) जहाँ बच्चा अटक रहा हो वहाँ अस्थायी सहायता देना
   (द) बच्चे को अकेला छोड़ देना
   उत्तर: (स) — Scaffolding एक अस्थायी मदद है जो केवल तब दी जाती है जब बच्चा संघर्ष कर रहा हो।

---

2. **एक 5 वर्ष की बच्ची कहती है कि 'धूप में कपड़े जल्दी सूखते हैं।' वह पियाजे के किस चिंतन को प्रदर्शित कर रही है?**
   (अ) प्रतीकात्मक विचार
   (ब) कार्य-कारण (Cause and Effect)
   (स) जीववाद
   (द) अहंकेंद्रित सोच
   उत्तर: (ब) — वह धूप और कपड़ों के सूखने के बीच के संबंध (कार्य-कारण) को समझ रही है।
3. **विकास के विषय में कौन सा कथन सही है?**
   (अ) विकास रैखिक होता है
   (ब) विकास बहुआयामी और लचीला होता है
   (स) विकास पूरी तरह से केवल आनुवंशिकता से तय होता है
   (द) विकास की गति सभी संस्कृतियों में समान होती है
   उत्तर: (ब) — विकास बहुआयामी (Multidimensional) और परिवर्तनीय होता है।
4. **थॉर्नडाइक के अधिगम के किस नियम को 'संतोष और असंतोष का नियम' भी कहा जाता है?**
   (अ) अभ्यास का नियम
   (ब) तत्परता का नियम
   (स) प्रभाव का नियम
   (द) बहु-अनुक्रिया का नियम
   उत्तर: (स) — कार्य का परिणाम संतोषजनक होने पर अधिगम मजबूत होता है, इसे प्रभाव का नियम कहते हैं।
5. **एक बच्चा पहले पूरे हाथ को, फिर उंगलियों को और फिर हाथ और उंगलियों को एक साथ चलाना सीखता है। यह विकास के किस सिद्धान्त को दर्शाता है?**
   (अ) एकीकरण का सिद्धान्त
   (ब) निरंतरता का सिद्धान्त
   (स) वैयक्तिक भिन्नता का सिद्धान्त
   (द) सामान्य से विशिष्ट का सिद्धान्त
   उत्तर: (अ) — अंगों का एक साथ समन्वय करना 'एकीकरण' (Integration) कहलाता है।

भाग 2: समावेशी शिक्षा एवं शिक्षण कौशल

अध्याय 3: समावेशी शिक्षा, शिक्षण विधियाँ एवं रचनावाद

- **समावेशी शिक्षा (Inclusive Education):** बिना किसी भेदभाव के सभी बच्चों (सामान्य और विशेष आवश्यकता वाले) को एक ही छत के नीचे, एक ही स्कूल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना। स्कूल को बच्चे के अनुसार बदलना, न कि बच्चे को स्कूल के अनुसार।
- **विशेष आवश्यकता वाले बच्चे (CWSN):**
  - **डिस्लेक्सिया (Dyslexia):** पढ़ने में कठिनाई (b को d पढ़ना)।
  - **डिस्ग्राफिया (Dysgraphia):** लिखने में कठिनाई (खराब लिखावट)।
  - **डिस्कैलकुलिया (Dyscalculia):** गणितीय गणनाओं में कठिनाई।
  - **ब्रेल लिपि (Braille):** दृष्टिबाधित बच्चों के लिए 6 बिंदुओं पर आधारित प्रणाली।

शिक्षण सूत्र (Maxims of Teaching)

- ज्ञात से अज्ञात की ओर (Known to Unknown)
- मूर्त से अमूर्त की ओर (Concrete to Abstract)
- सरल से जटिल की ओर (Simple to Complex)

सूक्ष्म शिक्षण (Micro Teaching) चक्र (कुल समय: 36 मिनट)

पाठ योजना (Plan)⇒शिक्षण (Teach - 6 Min)⇒,प्रतिपुष्टि (Feedback - 6 Min)}⇒पुनः योजना (Re-Plan - 12 Min)⇒पुनः शिक्षण (Re-Teach - 6 Min)⇒पुनः प्रतिपुष्टि (Re-Feedback - 6 Min)

- **रचनावाद (Constructivism):** ज्ञान का हस्तांतरण नहीं होता, बल्कि बच्चे अपने अनुभवों के आधार पर ज्ञान का **सक्रिय निर्माण** करते हैं। शिक्षक यहाँ केवल एक **सुविधादाता (Facilitator)** है।

अध्याय 3 के महत्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. **समावेशी शिक्षा मानती है कि हमें _____ को _____ के अनुरूप बदलना है।**
   (अ) बच्चे / व्यवस्था
   (ब) व्यवस्था / बच्चे
   (स) परिवेश / परिवार
   (द) बच्चे / परिवेश
   उत्तर: (ब) — हमें स्कूल की व्यवस्था/पाठ्यचर्या को बच्चे की आवश्यकता के अनुसार ढालना होता है।
2. **एक छात्र को अक्षरों और शब्दों को पढ़ने तथा उनका उच्चारण करने में निरंतर कठिनाई हो रही है। यह किस विकार के लक्षण हैं?**
   (अ) डिस्ग्राफिया
   (ब) डिस्लेक्सिया
   (स) डिस्कैलकुलिया
   (द) एडीएचडी (ADHD)
   उत्तर: (ब) — पढ़ने से संबंधित विकार को डिस्लेक्सिया कहते हैं।
3. **रचनावादी ढांचे में, अधिगम मुख्य रूप से क्या है?**
   (अ) यंत्रवत याद करने पर आधारित है
   (ब) प्रबलन पर केंद्रित है
   (स) अर्थ-निर्माण की प्रक्रिया पर केंद्रित है
   (द) अनुकरण पर आधारित है
   उत्तर: (स) — रचनावाद में ज्ञान का अर्थ-निर्माण (Meaning-making) सबसे महत्वपूर्ण है।
4. **सूक्ष्म शिक्षण (Micro-teaching) के भारतीय मॉडल में कुल कितना समय निर्धारित है?**
   (अ) 30 मिनट
   (ब) 36 मिनट
   (स) 45 मिनट
   (द) 40 मिनट
   उत्तर: (ब) — एनसीईआरटी के अनुसार सूक्ष्म शिक्षण चक्र का कुल समय 36 मिनट होता है।
5. **एक प्राथमिक शिक्षक के रूप में, यदि कोई बच्चा किसी समस्या का समाधान खोजने के लिए विभिन्न तरीकों का उपयोग कर रहा है, तो आप उसे क्या कहेंगे?**
   (अ) उसे हतोत्साहित करेंगे
   (ब) उसे एक ही तरीका अपनाने को कहेंगे
   (स) उसके वैज्ञानिक दृष्टिकोण और खोजी प्रवृत्ति को बढ़ावा देंगे
   (द) उसे सजा देंगे
   उत्तर: (स) — बहु-विधियों का प्रयोग बच्चे में वैज्ञानिक और अपसारी (Divergent) सोच को दर्शाता है।

भाग 3: 100 CTET Most Important One-Liners & Facts

यहाँ परीक्षा से ठीक 5 मिनट पहले दोहराने के लिए सबसे सटीक वन-लाइनर्स दिए गए हैं:

1. विकास एक **सतत (Continuous) और क्रमिक** प्रक्रिया है।
2. प्रारंभिक बाल्यावस्था **भाषा विकास** के लिए सबसे 'क्रांतिक' (Critical) अवधि है।
3. **लिंग (Gender)** एक सामाजिक संरचना है, जबकि **जैविकी (Sex)** एक जैविक सत्ता है।

4. पियाजे ने संज्ञानात्मक विकास के लिए **'परिपक्वता' और 'सक्रिय अन्वेषण'** को आवश्यक माना।
5. वाइगोत्स्की के अनुसार, **'निजी वाक' (Private Speech)** बच्चों को अपने व्यवहार को नियंत्रित करने में मदद करता है।
6. कोहलबर्ग के नैतिक विकास सिद्धान्त के अनुसार, **'अच्छा लड़का/अच्छी लड़की'** अभिविन्यास पारंपरिक स्तर में आता है।
7. प्रगतिशील शिक्षा (John Dewey) **'करके सीखने' (Learning by Doing)** पर बल देती है।
8. **बुद्धि बहुआयामी** है, हावर्ड गार्डनर ने 8 प्रकार की बुद्धियाँ बताई हैं।
9. सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) का मुख्य उद्देश्य बच्चे के विकास के सभी पक्षों का आकलन करना है।
10. **समीपस्थ विकास का क्षेत्र (ZPD)** वास्तविक क्षमता और संभावित क्षमता के बीच का अंतर है।
11. अधिगम के लिए **आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation)** सबसे टिकाऊ होती है क्योंकि यह स्वयं की संतुष्टि के लिए होती है।
12. **त्रुटियाँ** अधिगम की प्रक्रिया का एक स्वाभाविक हिस्सा हैं, यह बच्चों की सोच की खिड़की होती हैं।
13. पोर्टफोलियो (Portfolio) बच्चे के काम का क्रमिक संग्रह है जो उसकी प्रगति दिखाता है।
14. संवेग और संज्ञान (Emotion & Cognition) आपस में **संबद्ध/गुंथे हुए** हैं।
15. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 रटने के बजाय **संकल्पनात्मक समझ (Conceptual Understanding)** पर जोर देती है।
16. एनसीएफ (NCF) 2005 के अनुसार, ज्ञान को **स्कूल के बाहरी जीवन से जोड़ना** चाहिए।
17. बच्चों में **अपसारी चिंतन (Divergent Thinking)** उनकी सृजनात्मकता (Creativity) की पहचान है।
18. **सहानुभूति (Sympathy) के बजाय समानुभूति (Empathy)** शिक्षक का मुख्य गुण होना चाहिए।
19. 'समावेशी कक्षा' में विविधता एक **अवरोध नहीं बल्कि एक संसाधन (Asset)** है।
20. बच्चे दुनिया के बारे में अपने **सहज सिद्धांतों (Naive Theories)** का निर्माण खुद करते हैं, इन्हें अनदेखा नहीं करना चाहिए।

भाग 4: 10 रामबाण Memory Tricks (Key Tags)

परीक्षा हॉल में सही उत्तर तक पहुँचने के लिए इन **Positive व Negative टैग वर्ड्स** को याद रखें:

🟢 **सही उत्तर वाले शब्द (Positive Tags)**	🔴 **गलत उत्तर वाले शब्द (Negative Tags)**
चर्चा में शामिल करना, सक्रिय (Active)	रटना, याद करना, कंठस्थ करना (Rote Learning)
अवसर देना (Provide Opportunities)	केवल, मात्र, सिर्फ (Only)
विविध गतिविधियाँ (Diverse Activities)	हतोत्साहित करना (Discourage)
अर्थपूर्ण/संदर्भित (Contextual)	पृथक्करण/नामांकन (Segregation/Labeling)

www.examalertnow.com

बाल-केंद्रित (Child-centered)	शिक्षक-केंद्रित या पाठ्यपुस्तक-केंद्रित
त्रुटियों को स्वीकारना (Accepting Errors)	कठोर अनुशासन या सजा देना

- **Trick 1:** यदि प्रश्न में **'समाज, संस्कृति, सहयोग'** दिखे, तो आंख बंद करके विकल्प में **वाइगोत्स्की** को ढूंढें।
- **Trick 2:** यदि प्रश्न में **'आंतरिक खोज, स्कीमा, आत्मकेंद्रित, वैज्ञानिक'** दिखे, तो उत्तर **पियाजे** होने की शत-प्रतिशत संभावना है।

भाग 5: अंतिम मिनट क्रैश नोट्स (Crash Revision Table)

वैज्ञानिक/टॉपिक	**कोर संप्रत्यय (Core Concept)**	**परीक्षा का सटीक कीवर्ड (Key Word)**
जीन पियाजे	संज्ञानात्मक विकास (4 चरण)	स्कीमा, आत्मसातीकरण, समायोजन, वस्तु स्थायित्व
लेव वाइगोत्स्की	सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धान्त	ZPD, पाड़ (Scaffolding), निजी भाषण (Private Speech)
लॉरेंस कोहलबर्ग	नैतिक विकास (3 स्तर, 6 चरण)	हिंज की दुविधा, नैतिक तर्कणा, सामाजिक अनुबंध
हावर्ड गार्डनर	बहुबुद्धि का सिद्धान्त	अंतर-वैयक्तिक (Interpersonal), अंतः-वैयक्तिक (Intrapersonal)
समावेशी शिक्षा	समतामूलक शिक्षा	लचीली पाठ्यचर्या, विभेदित निर्देश (Differentiated Instruction)

www.examattention.com